एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (अप्रैल, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

टिकोमा स्टैंस प्रवर्धन में रूटिंग हार्मोन की भूमिका

*अंशुमा सिंह, डॉ. एस. ए. खान एवं डॉ. नवलदे भारती
कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान (एक स्वायत्तशासी संस्थान और NAAC द्वारा " ए" ग्रेड मान्यता प्राप्त), सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: anshumasss333@gmail.com

टिकोमा स्टैन्स एक आकर्षक और सजावटी फूलों वाला पौधा है, जिसे हिंदी में आमतौर पर पीली घंटी या सुनहरी घंटी कहा जाता है। इसके फूल पीले रंग के होते हैं और तुरही के आकार जैसे दिखते हैं, जो इसे देखने में अत्यंत सुंदर बनाते हैं। यह पौधा मूल रूप से दक्षिण और मध्य अमेरिका तथा कैरेबियन द्वीप समूह का निवासी है, लेकिन अब यह भारत सहित कई देशों में सजावटी प्रयोजनों के लिए उगाया जाता है। यह पौधा झाड़ी के रूप में या फिर छोटे पेड़ के रूप में विकसित होता है, और सामान्यतः इसकी ऊंचाई 6 से 15 फीट तक हो सकती है। इसकी पत्तियाँ लंबी, हरी और किनारों से दांतेदार होती हैं। यह पौधा गर्म और सूखे मौसम में भी अच्छी वृद्धि करता है और कम पानी में जीवित रहने की क्षमता रखता है। टिकोमा स्टैन्स के पीले फूल तितलियों, मधुमक्खियों और अन्य परागण करने वाले कीटों को आकर्षित करते हैं, जिससे यह बगीचों और हरित क्षेत्रों की शोभा बढ़ाने के लिए उपयुक्त रहता है। साथ ही, यह मिट्टी के कटाव को रोकने और पर्यावरणीय सौंदर्य बढ़ाने में भी सहायक होता है। रूटिंग हार्मोन एक ऐसा रासायनिक या जैविक पदार्थ होता है जो पौधों की कटिंग से नई जड़ें उगाने की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बना देता है। जब किसी पौधे की शाखा को काटकर उसे नए पौधे के रूप में लगाने का प्रयास किया जाता है, तब यह हार्मोन उस कटिंग में जड़ों के विकास को प्रोत्साहित करता है। यह पौधे की स्वाभाविक जड़ बनने की क्षमता को सक्रिय करता है और जड़ों को जल्दी तथा मजबूत रूप से विकसित होने में सहायता करता है।

टिकोमा स्टैन्स प्रवर्धन में कटिंग हार्मोन का उपयोग

टिकोमा स्टैन्स (*Tecoma stans*) में रूटिंग हार्मोन का उपयोग करके पौधों की कटिंग से नई जड़ों का विकास तेजी से और प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। सबसे पहले, स्वस्थ टिकोमा स्टैन्स पौधे से 5-6 इंच लंबी टहनी काटी जाती है और उसके निचले हिस्से से पत्तियाँ हटा दी जाती हैं। फिर, कटिंग के निचले हिस्से को रूटिंग हार्मोन पाउडर या जैल में डुबोया जाता है, जो जड़ों के बनने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करता है। इसके बाद, इस कटिंग को अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी में रोप दिया जाता है और इसे छायादार जगह पर रखा जाता है, ताकि इसे अधिक सूरज की रोशनी से बचाया जा सके। मिट्टी में नमी बनाए रखी जाती है, ताकि जड़ें जल्दी और स्वस्थ रूप से विकसित हो सकें। रूटिंग हार्मोन का प्रयोग करने से कटिंग के सफल होने की संभावना बढ़ जाती है, जड़ें तेजी से विकसित होती हैं और पौधा जल्दी बढ़ने लगता है। इस तरह, रूटिंग हार्मोन टिकोमा स्टैन्स जैसे पौधों के सफल प्रवर्धन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

टिकोमा स्टैन्स कटिंग पर रूटिंग हार्मोन लगाने की प्रक्रिया

टिकोमा स्टैन्स की कटिंग पर रूटिंग हार्मोन का प्रयोग पौधों के प्रजनन को अधिक प्रभावी और सफल बनाता है। इस प्रक्रिया में सबसे पहले, एक स्वस्थ टिकोमा स्टैन्स पौधे से 5-6 इंच लंबी टहनी काटी जाती है। फिर, इस कटिंग के निचले हिस्से से पत्तियाँ हटा दी जाती हैं ताकि जड़ों को विकसित होने में आसानी हो। इसके बाद, कटिंग के निचले हिस्से को हल्का गीला किया जाता है और उसे रूटिंग हार्मोन पाउडर या जैल में डुबो दिया जाता है, जो जड़ों के विकास को तेज करता है और उन्हें मजबूत बनाता है। कटिंग को अब नम और अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी में रोपना होता है। इसे मिट्टी में अच्छे से दबाकर स्थिर किया जाता है और इसे छायादार स्थान पर रखा जाता है, ताकि ज्यादा सूर्य की रोशनी से बचाव हो सके, जिससे जड़ें आसानी से और जल्दी से उग सकें। इस समय, कटिंग को नियमित रूप से हल्का पानी दिया जाता है, लेकिन अत्यधिक पानी से बचना जरूरी है, क्योंकि इससे जड़ें सड़ सकती हैं। लगभग एक महीने के बाद, कटिंग में जड़ें उगने लगती हैं और जब ये पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं, तो कटिंग को धूप में स्थानांतरित किया जा सकता है और पौधों की नियमित देखभाल शुरू की जा सकती है। रूटिंग हार्मोन के

उपयोग से कटिंग की सफलता दर में वृद्धि होती है और पौधों का विकास भी तेजी से और स्वस्थ तरीके से होता है। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि रूटिंग हार्मोन का सही मात्रा में उपयोग किया जाए, क्योंकि अत्यधिक हार्मोन पौधे के लिए हानिकारक हो सकता है। इस प्रकार, रूटिंग हार्मोन का प्रयोग टिकोमा स्टैन्स जैसे पौधों की कटिंग से उगाने में मदद करता है, जिससे पौधे जल्दी और स्वस्थ तरीके से विकसित होते हैं और आपको कम समय में सुंदर और मजबूत पौधे प्राप्त होते हैं।

सावधानियां

टिकोमा स्टैन्स की कटिंग पर रूटिंग हार्मोन का उपयोग करते समय कुछ महत्वपूर्ण सावधानियाँ बरतनी चाहिए। सबसे पहले, रूटिंग हार्मोन का सही मात्रा में उपयोग करें, क्योंकि अत्यधिक हार्मोन पौधे के लिए हानिकारक हो सकता है। कटिंग को रूटिंग हार्मोन में डुबोने के बाद, उसे अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी में रोपना चाहिए और उसे छायादार स्थान पर रखना चाहिए ताकि जड़ें सही से विकसित हो सकें। कटिंग को अधिक पानी से बचाना चाहिए और हल्की नमी बनाए रखनी चाहिए। इसके अलावा, सभी उपकरणों को अच्छी तरह से साफ रखना और सुरक्षा के लिए रबर के दस्ताने पहनना महत्वपूर्ण है। रूटिंग हार्मोन लगाने के बाद कटिंग को धोने से बचें, क्योंकि इससे हार्मोन की परत हट सकती है। अंत में, रूटिंग हार्मोन को बच्चों और पालतू जानवरों से दूर रखना चाहिए और इसे सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। इन सावधानियों का पालन करने से टिकोमा स्टैन्स की कटिंग से सफलता से जड़ें उगाई जा सकती हैं और पौधा जल्दी और स्वस्थ तरीके से विकसित हो सकता है।

निष्कर्ष

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत के उद्यानिकी प्रयोगशाला में एक शोध के अनुसार, टिकोमा स्टैन्स को IBA के विभिन्न सांद्रताओं के साथ उपचारित किया गया, जिसमें 3000 पीपीएम वाले सांद्रता ने उत्कृष्ट परिणाम दिखाया। रूटिंग हार्मोन का टिकोमा स्टैन्स में उपयोग पौधों की प्रवर्धन प्रक्रिया को अधिक सफल और तेज़ बनाता है। जब हम किसी पौधे की कटिंग से नया पौधा उगाते हैं, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि जड़ें सही तरीके से और जल्दी से विकसित हों। रूटिंग हार्मोन इस प्रक्रिया को तेज़ करता है, जड़ों के विकास को उत्तेजित करता है और पौधे को जल्दी और स्वस्थ तरीके से स्थापित होने में मदद करता है। यदि इसे सही तरीके से और उचित मात्रा में इस्तेमाल किया जाए, तो यह कटिंग की सफलता दर को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, रूटिंग हार्मोन पाउडर या जैल को कटिंग के निचले हिस्से पर लगाने से जड़ों का विकास तेज़ी से होता है, जिससे पौधा जल्दी बढ़ता है और स्वस्थ रहता है। फिर भी, रूटिंग हार्मोन का प्रभावी उपयोग करने के लिए कुछ सावधानियाँ आवश्यक हैं। इसमें यह सुनिश्चित करना कि इसे सही मात्रा में ही उपयोग किया जाए, अत्यधिक पानी से बचना, और कटिंग को उचित तापमान और स्थान पर रखना शामिल है। साथ ही, रूटिंग हार्मोन को बच्चों और पालतू जानवरों से सुरक्षित स्थान पर रखना भी आवश्यक है। यदि इन सभी सावधानियों का पालन किया जाए, तो रूटिंग हार्मोन टिकोमा स्टैन्स जैसे पौधों के प्रवर्धन में अहम भूमिका निभाता है, जिससे मजबूत, स्वस्थ और सुंदर पौधे उगाए जा सकते हैं। इस प्रक्रिया से पौधों का प्रवर्धन न केवल तेज़ होता है, बल्कि उनकी वृद्धि भी बेहतर होती है, जिससे अच्छे परिणाम जल्दी मिलते हैं। कुल मिलाकर, रूटिंग हार्मोन का सही और सावधानीपूर्वक उपयोग टिकोमा स्टैन्स की कटिंग से नए पौधे उगाने में सफलता की संभावना को बढ़ाता है।

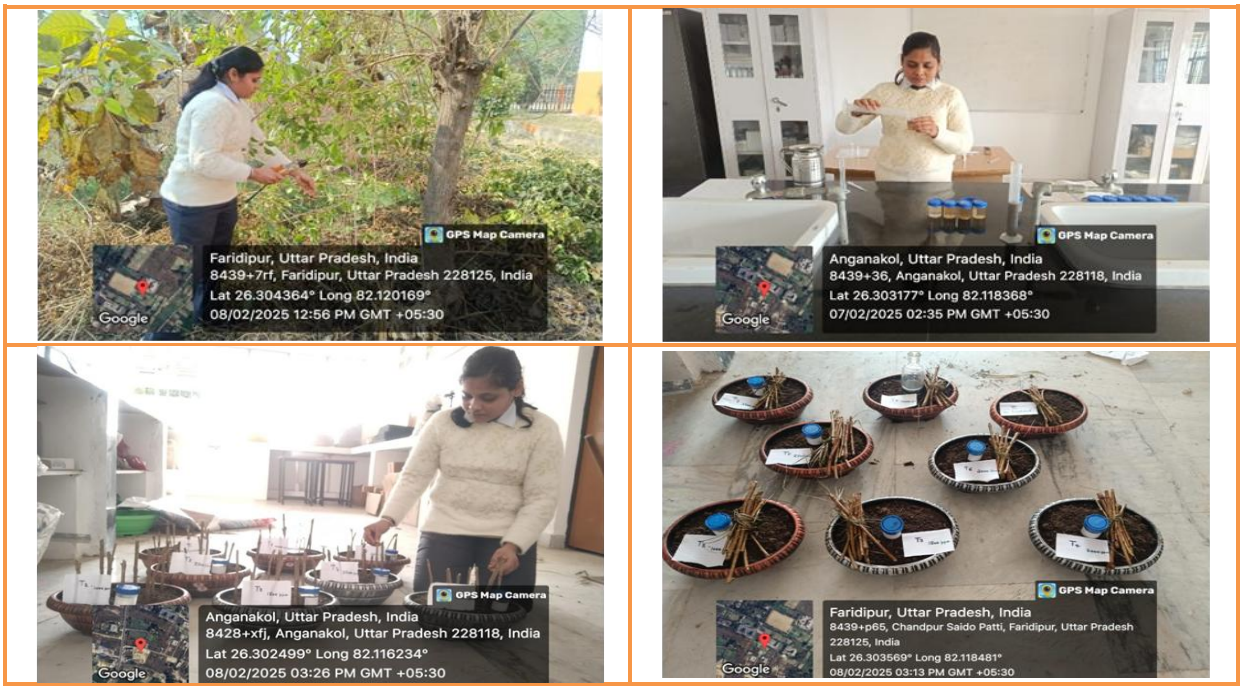

GPS Map Camera
Faridipur, Uttar Pradesh, India
8439+p65, Chandpur Saido Patti, Faridipur, Uttar Pradesh 228125, India
Lat 26.303552° Long 82.118634°
10/03/2025 12:32 PM GMT +05:30
Google